राजस्थान में महिला एवं बाल विकास को नई दिशा दे रही भजनलाल सरकार

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में 11.52 लाख गर्भवती महिलाएं लाभांवित

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन के अनुरूप प्रदेश में महिलाओं के सशक्तीकरण, बाल विकास और संरक्षण, पोषण स्तर में सुधार, आंगनबाड़ियों की मजबूती एवं गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन किया है। राजस्थान में महिलाओं एवं बच्चों को सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध हो, इसके लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के सफल क्रियान्वयन से राजस्थान जनवरी 2026 की मासिक रैंकिंग में संपूर्ण देश में प्रथम स्थान पर तथा फरवरी 2026 की मासिक रैंकिंग में द्वितीय स्थान पर रहा। इस योजना में 26 मार्च तक 11 लाख 52 हजार 8 गर्भवती महिलाओं को 553 करोड़ रुपये हस्तांरित किए गए हैं। गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं तथा 3 वर्ष तक की आयु के बच्चों में पोषण की स्थिति को सुधारने के लिए मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना में 26 मार्च तक 5.15 लाख लाभार्थियों को 172 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। राजस्थान में 6200 से अधिकमिनी आंगनबाड़ी केन्द्रों को मुख्य आंगनबाड़ी केंद्रों में क्रमोन्नत किया गया है। करीब 2365 आंगनबाड़ी केंद्रों को आदर्श रूप में विकसित किया जा रहा है। बच्चों की नियमित वृद्धि निगरानी करने के लिए आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 21367 वजन मशीन (मातृ एवं शिशु हेतु), 31694 इन्फेन्टोमीटर (2 वर्ष तक के बच्चों की लम्बाई मापने हेतु) एवं 31694 स्टेडियोमीटर (बच्चों की ऊंचाई मापने हेतु) उपलब्ध करवाए गए है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- लाडो प्रोत्साहन योजना में 6 लाख 53 हजार बालिकाओं को मिली प्रथम किस्त
- मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना में 2991 ऋण आवेदन को मंजूरी

वर्ष 2025 में 20 हजार 85 स्मार्ट फोन आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं महिला पर्यवेक्षकों को उपलब्ध करवाए गए हैं। 7273 नंद घर विकसित किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना के माध्यम से 3 से 6 वर्ष के बच्चों को सप्ताह में 5 दिन गर्म दूध उपलब्ध करवाया जा रहा है।

प्रदेश में 60404 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 'पोषण भी-पढ़ाई भी' के अनुसार शाला पूर्व शिक्षा प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा चुका है। बेटी के जन्म पर 1 लाख 50 हजार रुपये तक की वित्तीय सहायता 7 किस्तों में दी जाती है। योजना की शुरुआत से अब तक लगभग 6 लाख 53 हजार बालिकाओं को प्रथम किस्त से लाभांवित किया जा चुका है। मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना में अब तक 230.96 करोड़ रुपये के 2991 ऋण आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं।

मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्य को दी जाएगी गति, टाइमलाइन व माइलस्टोन तय होंगे : अपर्णा अरोरा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने कहा है कि राज्य में मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्य को योजनाबद्ध तरीके से विस्तारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा होने के साथ ही मेजर मिनरल्स में रेयर अर्थ एलिमेंट्स, सोना, लेड-जिंक, सिल्वर, लाइमस्टोन, लिग्नाइट, कॉपर, बेस मेटल आदि के डिपोजिट्स उपलब्ध होने के साथ ही माइनर मिनरल्स के भी विपुल भण्डार है। एसीएस माइंस अपर्णा अरोरा शुक्रवार को सचिवालय में राजस्थान स्टेट मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट की गतिविधियों की समीक्षा कर रही थी।

अपर्णा अरोरा

उन्होंने निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष के आरंभ के साथ ही एक्सप्लोरेशन, ड्रिलिंग, केमिकल एनालिसिस से लेकर ब्लॉक तैयार कर ऑक्शन तक की तैयारियों की टाइमलाइन तैयार करते हुए प्रत्येक कार्य का माइलस्टोन तय किया जाएं ताकि कार्य में गति आने के साथ ही समयबद्ध मोनेटरिंग सुनिश्चित हो सके। अरोरा ने कहा कि विभाग के पास राज्य के प्रत्येक स्थान में संभावित मिनरल्स का डेटा के अनुसार एक्सप्लोरेशन के लिए ड्रिलिंग, केमिकल एनालिसिस आदि हो सके और उपलब्ध खनिज की गुणवत्ता व उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। इससे ऑक्शन होने वाले ब्लॉकों अधिक प्रीमियम पर नीलाम होंगे और रोजगार और राजस्व के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश के माइनिंग सेक्टर में राजस्थान को अग्रणी प्रदेश बनाने के लिए हमें समन्वित प्रयास करने होंगे।

राजस्थान स्टेट मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री आलोक प्रकाश जैन ने आरएसएमईटी की गतिविधियों से अवगत कराया। अधीक्षण भूवैज्ञानिक जयपुर व एमओयू नोडल अधिकारी श्री संजय सक्सैना ने एमओयू के संबंध में प्रगति जानकारी दी। बैठक में विशेषाधिकारी श्रीकृष्ण शर्मा, अधीक्षण खनि अभियंता विजिलेंस जयपुर प्रताप मीणा, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक सुशील कुमार हुड्डा व अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बाहरी के व्यक्ति को राशन की दुकान आवंटित करने पर जवाब मांगा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मालपुरा उपखंड के सीतारामपुरा ग्राम पंचायत के बंबोरी गांव की राशन की दुकान ग्राम पंचायत के बाहर के व्यक्ति को आवंटित करने पर प्रमुख खाद्य सचिव, खाद्य आयुक्त, टोंक जिला कलेक्टर और जिला रसद अधिकारी सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश भंवर सिंह की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि जिला रसद अधिकारी ने 17 अक्टूबर, 2025 को सीतारामपुरा के बंबोरी गांव की खाली उचित मूल्य की दुकान के आवंटन के लिए विज्ञप्ति जारी की थी। इसमें शर्त थी कि आवेदक उसी ग्राम पंचायत का निवासी होना चाहिए। इस दौरान ही राज्य सरकार ने 1 जनवरी, 2026 को पंचायतों का पुनर्गठन किया, लेकिन विज्ञप्ति की शर्त में संशोधन नहीं किया।

याचिका में कहा गया कि पांच फरवरी, 2026 को इस दुकान के आवंटन के लिए अजमेरी ग्राम पंचायत के गांव प्रतापपुरा के निवासी का चयन कर लिया। इसके बाद टोंक जिला रसद अधिकारी ने उसे 17 फरवरी, 2026 को दुकान आवंटित कर दी।

इसे लेकर याचिकाकर्ता की ओर से संबंधित अधिकारियों को शिकायत भी दर्ज कराई, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। ऐसे में जिला रसद अधिकारी की कार्रवाई गलत है। याचिका में गुहार की गई की दुकान का आवंटन रद्द कर उसे स्थानीय निवासी को आवंटित की जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

स्वामी रामदेव महाराज का 32वाँ संन्यास दिवस मनाया

पिछले 32 वर्षों में हमने शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान, कृषि, उद्योग, रोजगार, प्रकृति, पर्यावरण, चरित्र निर्माण, राष्ट्र निर्माण, युग निर्माण, वेदधर्म, राष्ट्रधर्म व सनातन धर्म की सेवा में ऐतिहासिक योगदान दिया : स्वामी रामदेव

हरिद्वार। पतंजलि वेलनेस, पतंजलि योगपीठ-2 स्थित बृहद् सभागार योगभवन में रामनवमी पर पतंजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष स्वामी रामदेव महाराज का 32वाँ संन्यास दिवस मनाया गया। स्वामी रामदेव महाराज ने कहा कि आज हम तीन-तीन पर्व एक साथ मना रहे हैं। आज राम नवमी भी है, नवरात्रि की पूर्णता भी है और पतंजलि का यशस्वी सन्यास दिवस भी है।

स्वामी रामदेव ने कहा कि पतंजलि योगपीठ के माध्यम से पिछले 32 वर्षों में हमने शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान, कृषि, उद्योग, रोजगार, प्रकृति, पर्यावरण, चरित्र निर्माण, राष्ट्र निर्माण, युग निर्माण, वेदधर्म, राष्ट्रधर्म व सनातन धर्म की सेवा में ऐतिहासिक योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि आज शताधिक ट्रस्टों और विभिन्न संगठनों के माध्यम से देश के 600 से अधिक जिलों में 5000 से अधिक तहसीलों में 35 लाख से अधिक गांव में और लगभग पूरी दुनिया के 200 देशों में योग आयुर्वेद और स्वदेशी और सनातन धर्म के प्रतिष्ठा का कार्य भगवान ने पतंजलि से हो रहा है।

रामनवमी पर पतंजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष स्वामी रामदेव महाराज का 32वाँ संन्यास दिवस मनाया गया।

पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण महाराज ने पूज्य स्वामी महाराज को 32वें संन्यास दिवस की शुभकमानाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान राम की जो उदात्तता है, मर्यादा है, उनकी जो व्यापकता है, स्वीकार्यता है उसकी आज विश्व जनमानस में आवश्यकता है। उनके चरित्र व जीवन के प्रत्येक आयाम से हम बहुत कुछ समझ और सीख सकते हैं।

कार्यक्रम में भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एन.पी. सिंह ने कहा कि यदि श्रीराम धर्म के विग्रह हैं तो स्वामी रामदेव महाराज 21वीं सदी में श्रीराम के साक्षात विग्रह हैं। श्रीराम मात्र हमारे आध्यात्मिकता के केंद्र बिंदु नहीं हैं, मात्र हमारी सामाजिक सांस्कृतिक धरोहरों की जीवंतता को बरकरार रखने वाले प्रतीक नहीं हैं अपितु राम सनातन रूप से आने वाली सभी सहस्त्राब्दियों के लिए भारत ही नहीं विश्व के लिए एक मानक व्यक्तित्व के रूप में प्रेरणा स्त्रोत व मार्गदर्शक रहेंगे।

नाबालिग से अश्लीलता करने वाले को 20 साल की सजा

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर प्रथम ने स्कूल के शौचालय में घुसकर कक्षा-2 की छात्रा से अश्लीलता करने वाले अभियुक्त अनिल कुमार को 20 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 55 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी मीना अवस्थी ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने लैंगिक हमले के साथ ही पीड़िता को भावनात्मक चोट भी पहुंचाई है। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुरेन्द्र सिंह राजावत ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीडिता के पिता ने 11 अक्टूबर, 2025 को गांधी नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कमी का फैसला स्वागत योग्य

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पेट्रोल-डीजल पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क में कमी के निर्णय को स्वागत योग्य बताया है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10-10 रुपये घटाकर देशवासियों को बड़ी राहत दी गई है। इस निर्णय से पेट्रोल पर लगने वाली ड्यूटी अब 13 रुपये से घटकर 3 रुपये और डीजल पर 10 रुपये से घटकर शून्य हो गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा जनहित में लिए गए इस संवेदनशील फैसले से वैश्विक बाजार के चुनौतीपूर्ण समय में लाखों परिवारों को आर्थिक संबल मिलेगा। साथ ही, वे वैश्विक उतार-चढ़ाव की अनिश्चितता से मुक्त रहेंगे।

शर्मा ने इस राहत के लिए 8 करोड़ प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। साथ ही, उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे अफवाहों से दूर रहें एवं एकजुट होकर देश-प्रदेश की प्रगति में अपना सहयोग प्रदान करें।

- प्रधानमंत्री मोदी के संवेदनशील निर्णय से लाखों परिवारों को मिलेगा आर्थिक संबल
- वैश्विक चुनौती के समय जनता को अतिरिक्त बोझ से मिली राहत : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

नई दिल्ली में 30 मार्च को होगा राजस्थान स्थापना दिवस का भव्य आयोजन

जयपुर/नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रवासी राजस्थानियों का फेडरेशन और अम्ब्रेला ऑर्गेनाइजेशन राजस्थान संस्था संघ द्वारा 30 मार्च सोमवार को नई दिल्ली के मण्डी हाऊस स्थित एलटीजी सभागृह में 77 वें राजस्थान स्थापना दिवस का भव्य आयोजन किया जायेगा। संस्था के अध्यक्ष नवरत्न अग्रवाल बीकानेरवाला ने बताया कि केंद्रीय कानून मन्त्री अर्जुन राम मेघवाल और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समारोह की मुख्य अतिथि होंगी। समारोह के विशिष्ट अतिथि पाली सांसद, पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री और वन नेशन वन इलेक्शन संसदीय संयुक्त समिति के अध्यक्ष पी पी चौधरी, दिल्ली के सांसद योगेन्द्र चंदौलिया, प्रवीण खण्डेलवाल,दिल्ली प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष आदेश गुप्ता और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्याम जाजू होंगे जबकि समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी श्याम सुंदर अग्रवाल तथा स्वागताध्यक्ष डॉ एस के चांडक होंगे। संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष के.के.नरेडा ने बताया कि हीमांक एंड टीम, मुद्रा डांस स्टूडियों , कला स्मृति अकादमी(रोशमी मजूमदार) एवं ललिता स्वामी द्वारा मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जाएगी। संस्था के महासचिव चन्द्र शेखर मिश्रा ने बताया कि समारोह में कला और संस्कृति , साहित्य लेखन, मीडिया, खेलकूद, महिला उद्यिमता, कलाकारों, उद्योग एवं व्यवसाय, समाज सेवा आदि विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मान भी प्रदान किए जायेंगे।

सामूहिक 21वीं ध्वजा पद यात्रा आज से शुरू होगी

जयपुर। श्री आदि गौड ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में श्री हनुमान जी महाराज सेवा मंडल जयपुर की ओर से सामूहिक 21वीं ध्वजा पद यात्रा शनिवार को शुरू होगी।

जयपुर से मंदिर श्री बद्रीनाथ जी से रवाना होकर पदयात्रा 2 अप्रैल को अलवर के थानागाजी पहुंचेगी। शनिवार को राजेन्द्र भारद्वाज, रींकू भारद्वाज, विनय भारद्वाज, हितेष व संजय द्वारा ध्वजा पूजन किया जायेगा। यात्रा कूकस,चंदवाजी, शाहपुरा, और विराटनगर में रात्री विश्राम के लिए रूकेगी।

उर्वरक उपलब्धता के इंतजाम और कालाबाजारी रोकने के सख्त निर्देश

जयपुर। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग ने खरीफ सीजन 2026 को देखते हुए उर्वरकों की उपलब्धता और उनके संतुलित उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। इस संबंध में कृषि मंत्री डॉ. किरोडी लाल की अध्यक्षता में पंत कृषि भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेशभर के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने अधिकारियों की बैठक ली।

बैठक में निर्देश दिए गए कि उर्वरकों के राज्य से बाहर अवैध परिवहन को रोकने के लिए सीमावर्ती जिलों में चेकपोस्ट पर कड़ी निगरानी रखी जाए। उर्वरक निरीक्षकों को नियमित निरीक्षण कर जमाखोरी, टैगिंग और कालाबाजारी पर उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नीम कोटेड यूरिया के औद्योगिक और गैर-कृषि उपयोग पर भी विशेष नजर रखने के लिए औचक निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार ने जिला स्तर पर गठित फर्टिलाइजर रेगुलेटरी टास्क फोर्स की बैठकें अप्रैल के पहले सप्ताह में आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा धरती माता बचाओ अभियान के तहत 15 अप्रैल तक ग्राम स्तर तक जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को प्रशिक्षण, गोष्ठियों और रात्रि चौपालों के माध्यम से संतुलित उर्वरक उपयोग के लिए प्रेरित किया जाए। डीएपी के विकल्प के रूप में 3 बैग एसएसपी और 1 बैग यूरिया के उपयोग की सलाह दी जाएगी। साथ ही कपास, मूंगफली सहित अन्य फसलों में एसएसपी और एनपीके उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। उर्वरकों के वितरण और बिक्री में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पीओएस मशीन से स्टॉक सत्यापन, मूल्य सूची प्रदर्शन और आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य किए गए हैं। आईएफएमएस पोर्टल के जरिए अधिक खरीद और अधिक बिक्री करने वाले विक्रेताओं की पहचान कर भौतिक सत्यापन किया जाएगा।

वर्तमान में राज्य में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, यूरिया 3.67 लाख मीट्रिक टन, डीएपी 0.82 लाख मीट्रिक टन, एनपीके 0.66 लाख मीट्रिक टन और एसएसपी 1.94 लाख मीट्रिक टन है। वहीं केंद्र सरकार द्वारा खरीफ 2026 के लिए पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल, आयुक्त चिन्मयी गोपाल सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि जिला स्तर के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े। सरकार का कहना है कि सख्त निगरानी और समुचित प्रबंधन से किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध होंगे, जिससे कृषि उत्पादन और किसानों की आय में वृद्धि होगी।

'पेशेंट फ्रेण्डली हों स्वास्थ्य सुविधाएं, शिकायत मिली तो सख्त कार्रवाई होगी'

रोगी को पूरी संवेदनशीलता के साथ उपलब्ध करवाएं उपचार : गायत्री राठौड़

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध सभी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के साथ ही पेशेंट फ्रेण्डली एप्रोच के सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। बड़े अस्पतालों में मरीज भार अधिक है, लेकिन रोगियों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ व्यवहार करते हुए उन्हें गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाएं।

स्वास्थ्य जैसे विषय में किसी भी तरह की असंवेदनशीलता बर्दाश्त नहीं की जा सकती। सभी चिकित्सा अधिकारी पूरी निष्ठा और सेवाभाव के साथ अपने दायित्वों को पूरा करें। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। राठौड़ शुक्रवार को सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में संबद्ध अस्पतालों के सभी अधीक्षकों के साथ स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढीकरण को लेकर चर्चा कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज और इससे जुडे अस्पतालों की अपनी एक प्रतिष्ठा और पहचान है।

यहां के उपचार की गुणवत्ता के कारण ही यहां सर्वाधिक रोगी भार रहता है। ऐसे में यह सुनिश्चित करें कि यह छवि धूमिल नहीं हो। यहां का हर एक चिकित्सक एवं हर एक स्वास्थ्यकर्मी प्रो-एक्टिव रहकर अपनी जिम्मेदारी निभाए।

चिकित्सा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने शुक्रवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों की समीक्षा की।

अल्पकालिक-दीर्घकालिक प्लान बनाएं

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि अस्पताल में सुविधाओं के सुदृढीकरण के लिए अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक प्लान अलग-अलग बनाए जाएं, ताकि जिन सुविधाओं में तत्काल सुधार किया जा सकता है, उनका कार्य लंबित नहीं रहे। स्टाफ का नियोजन इस प्रकार करें कि जहां आवश्यकता अधिक है, वहां जरूरत के अनुरूप चिकित्सक एवं कार्मिक उपलब्ध हों।

उन्होंने कहा कि तात्कालिक आवश्यकता के अनुरूप संविदा आधार पर चिकित्सक, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ लिया जा सकता है। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश कि अस्पताल में उपलब्ध जांच मशीनों एवं उपकरणों को पूरा उपयोग हो। कार्मिक या स्पेशलिस्ट के अभाव में किसी जांच मशीन का उपयोग नहीं हो रहा हो तो तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था की जाए, लेकिन रोगी को कोई परेशानी नहीं हो।

रोगी भार अधिक तो बढ़ाएं काउंटर

राठौड़ ने कहा कि अस्पताल में रोगी भार अधिक हो तो काउंटर बढ़ाए जाएं। आवश्यकता अनुसार हेल्प डेस्क स्थापित की जाएं, ताकि रोगियों को उपचार लेने के लिए भटकना नहीं पड़े या लंबे समय तक कतारों में खड़ा नहीं रहना पड़े। उन्होंने क्राउड मैनेजमेंट के लिए तकनीकी उपाय अपनाने पर भी बल दिया। राठौड़ ने कहा कि ट्रोमा सेंटर एवं इमरजेंसी में रोगी गंभीर स्थिति में आते हैं, वहां उपचार के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध हों। चिकित्सा विशेषज्ञ हमेशा उपस्थित रहें। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए सभी अस्पतालों में आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं।

स्ट्रेचर, व्हील चेयर की कमी नहीं हो

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य, अधीक्षक एवं अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी नियमित रूप से स्वास्थ्य सेवाओं की मॉनिटरिंग करें।

स्ट्रेचर, व्हील चेयर, दवाओं एवं अन्य संसाधनों की समुचित उपलब्धता रहे। कहीं से भी यह शिकायत नहीं आए कि रोगी को इन संसाधनों के अभाव में परेशानी उठानी पड़े। उन्होंने जांचों के लिए पोर्टेबल मशीनों का उपयोग बढ़ाने पर भी बल दिया, ताकि गंभीर रोगियों को तत्काल जांच सुविधा उपलब्ध हो सके। आपातकालीन इकाई सभी अस्पतालों में बेहतर स्थिति में हो। जिन अधिकारियों की ड्यूटी आपातकालीन इकाई में हो, वे हमेशा वहां उपस्थित रहे। रात के समय में भी समुचित स्टाफ वहां मौजूद रहे। सीसीटीवी कैमरा आदि के माध्यम से इसकी मॉनिटरिंग की जाए।

बैठक में चिकित्सा शिक्षा विभाग के संयुक्त शासन सचिव ललित कुमार, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त नरेश गोयल, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अतिरिक्त प्रधानाचार्य डॉ. राकेश जैन, अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी सहित सभी संबद्ध अस्पतालों के अधीक्षक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नवचंडी यज्ञ, अखण्ड रामायण पाठ और महाआरती शामिल हुए सैकड़ों श्रद्धालु

धर्माचार्य सुधांशुमहाराज का संदेश-धर्म-अध्यात्म की गंगा को जन-जन तक पहुंचाएं

जयपुर। विश्व जागृति मिशन (विजामि) की स्थापना के 35 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर गुलाबी नगरी में आदर्श नगर स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर परिसर में जयपुर मंडल की ओर से नवचंडी यज्ञ, अखण्ड रामायण पाठ, कन्या पूजन, महाआरती और भंडारा प्रसादी सहित कई धार्मिक और आध्यामिक कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन किया गया। जयपुर मंडल के प्रधान मदनलाल अग्रवाल ने बताया कि 35 वर्ष पहले रामनवमी के दिन विश्व जागृति मिशन की स्थापना हुई थी। स्थापना दिवस पर नई दिल्ली में आनंदधाम आश्रम में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

स्थापना दिवस पर विश्व जागृति मिशन के संस्थापक और देश के जाने-माने आध्यात्मिक संत धर्माचार्य श्री सुधांशु महाराज ने डिजिटल माध्यम से प्रसारित विशेष संदेश में कहा कि हम सब बेहतरीन जीवन जी सके इसके लिए देश और समाज को ऊंचा उठाने के लिए धर्म और अध्यात्म की गंगा को जन-जन तक पहुंचाने में सतत भागीदारी का संकल्प लें।

आचार्य सुधांशु ने कहा कि मिशन द्वारा गत 35 वर्षों में भारत में 88 और अन्य देशों में स्थित 11 शाखाओं के माध्यम से भारत के आध्यात्मिक वाङ्मय को जन-जन तक पहुंचाने के लिए वेद, पुराण, उपनिषद और गीता पर आधारित 8000 से अधिक प्रवचनों की श्रृंखला और गुरूकुलों की स्थापना जैसे अनेक प्रकल्पों के जरिए देश में शिक्षा, संस्कार, साधना, ध्यान और तप की परम्पराओं के संवर्द्धन की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किया गया है। घर-परिवार और समाज में आपसी रिश्तों में प्रेम और अपनत्व की भावना लगातार गहरी हो, वृद्धजन अपनी जीवन संध्या में सिर उठाकर खुशियों के साथ जी सके तथा बालक और युवा संस्कारवान बने, इसके लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। जयपुर मंडल से जुड़े श्रद्धालुओं ने स्थापना दिवस के सिलसिले में नवरात्र स्थापना से लेकर रामनवमी तक प्रतिदिन नवचंडी यज्ञ तथा अखंड रामायण पाठ में अपूर्व उत्साह से भाग लिया। आचार्य श्री मोहन शास्त्री और पंडित विष्णु कुमार शर्मा के सानिध्य में मंडल अध्यक्ष मदनलाल अगग्राल सहित पदाधिकारियों दिनेश गुप्ता, द्वारका प्रसाद मुटरेजा, हेम भार्गव, दिनेश सैनी, मदन लाल शर्मा, राजेश अरोड़ा, महिला पदाधिकारियों कांता भल्ला, इंदु भार्गव, आनंदी देवी, ज्ञान कंवर, अलका अरोडा और रेनू कर्मचदानी सहित श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुतियां दी और 500 से अधिक कन्याओं का पूजन किया।